दैनिक

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल

वर्ष : ०८ | अंक:३०२ | मुंबई, बुधवार २६ मार्च २०२५ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

13 महीनों के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 65,12,846 वाहन चालकों पर कार्रवाई

मुंबईः यातायात पुलिस ने पिछले 13 महीनों (1 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2025) के दौरान यातायात नियमों का

उल्लंघन करने वाले 65,12,846 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है. इस कार्रवाई में 526 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया, लेकिन अब तक सिर्फ 157 करोड़ रुपये की वसूली हुई है. 369 करोड़ रुपये अभी भी बकाया है. यह जानकारी RTI कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त हुई है.

यातायात पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 41 यातायात और 1 मल्टीमीडिया विभाग के अंतर्गत 26 प्रकार के यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई. हालांकि, अब तक सिर्फ 20,99,396 वाहन चालकों ने ही जुर्माना भरा है, जबकि 44,13,450 वाहन चालकों ने अब तक दंड नहीं भरा है.

- ☐ 526 करोड़ का ठोंका जुर्माना
- ☐ 44 लाख वाहन चालकों ने जुर्माना नहीं भरा
- ☐ 369 करोड़ बकाया

फ्लिकर और एंबर लाइट पर कार्रवाई

फ्लिकर और एंबर लाइट का गलत उपयोग करने वाले 47 वाहन चालकों पर कार्रवाई कर 23,500 रुपये का जुर्माना लगाया गया. लेकिन इसमें से केवल 7 वाहन चालकों ने 3,500 रुपये का दंड चुकाया. सबसे अधिक कार्रवाई मरीन ड्राइव क्षेत्र में की गई, जहां 32 वाहनों पर कार्रवाई हुई, लेकिन इनमें से सिर्फ 2 वाहन चालकों ने 1,000 रुपये का दंड अदा किया.

ऑस्ट्रेलिया की नौसेना में तैनात एक महिला से छेड़छाड़; ऑटो ड्राइवर गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आ रही है। यहां ऑस्ट्रेलिया की नौसेना में तैनात एक महिला के साथ में छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। इस छेड़छाड़ का आरोप एक ऑटो ड्राइवर पर लगा है। पुलिस ने इस घटना के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। ड्राइवर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

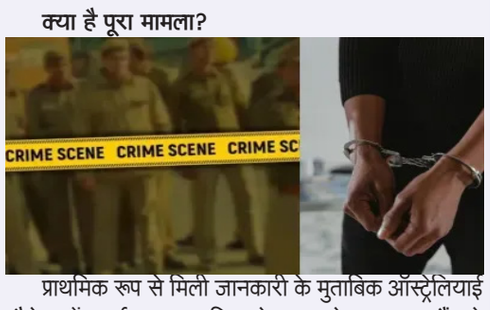

प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई नौसेना में कार्यरत एक महिला के साथ छेड़छाड़ का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। येलो गेट पुलिस स्टेशन ने आरोपी ड्राइवर अनिल कांबले (32 वर्ष) को गिरफ्तार कर के उसे रविवार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, पीड़िता न्यूजीलैंड स्थित जहाज पर काम करती है, जो बीपीटी पोर्ट पर डॉक किया गया है। 22 मार्च को उसे भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित एक फूड फेस्टिवल में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान उसने बीयर पी। रात करीब 9:30 बजे वह अपने दो सहकर्मियों के साथ कोलाबा के एफिंगुट रेस्टोरेंट गई। बाद में रात 11:30 बजे वे बीपीटी के ग्रीन गेट पर पहुंचे, जहां उन्हें वापस उनके जहाज पर छोड़ने के लिए एक गाड़ी की व्यवस्था की गई। इस दौरान महिला के साथ छेड़छाड़ की गई। पीड़ित महिला की शिकायत के अनुसार, जब महिला गाड़ी में चढ़ने वाली थी, तो चालक ने पहले उससे हाथ मिलाया, लेकिन फिर कथित तौर पर उसे अनुचित तरीके से छूने की कोशिश की। महिला ने तुरंत उसका विरोध किया और भारतीय नौसेना के संपर्क अधिकारी को सूचित किया। इसके बाद, उसने येलो गेट पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

विधानसभा सत्र या विवादों की पटकथा? असली मुद्दों से ध्यान भटकाने का खेल!

प्रशांत कोरटकर गिरफ्तार, लेकिन असली सवाल अब भी बरकरार!

सईद शेख

मुंबई। जैसे ही महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र शुरू हुआ, वैसे ही एक के बाद एक विवादित मुद्दे और बयान सामने आने लगे। कभी औरंगजेब की कब्र का मुद्दा, तो कभी 'दिशा सालियन' टिप्पणी, कुणाल कामरा पर विवाद या फिर इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने वाले प्रशांत कोरटकर का मामला। बीते कुछ दिनों से फरार चल रहे प्रशांत कोरटकर के देश छोड़ने की खबरें भी सामने आई थीं। लेकिन अचानक प्रशांत कोरटकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, कोरटकर को तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज पर आपत्तिजनक बयान देने के मामले में उनके खिलाफ कोल्हापुर के जुना राजवाड़ा पुलिस थाने में मामला दर्ज था। इससे पहले, कोल्हापुर जिला एवं सत्र न्यायालय ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी। अरेस्ट से बचने के लिए कोरटकर के दुबई भागने की चर्चाएं जोरों पर थीं। यहां तक कि दुबई में उनकी मौजूदगी से जुड़े कुछ फोटो भी वायरल हुए थे, जिससे विधानसभा में विपक्ष ने सरकार को घेरा था।

अब सवाल यह उठता है कि क्या इस तरह के विवादित मुद्दे विधानसभा सत्र के दौरान उठाकर सरकार जनता का ध्यान असली समस्याओं से भटकाने का प्रयास कर रही है? क्या संतोष देशमुख जैसे अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मीडिया को कोई नया मुद्दा देकर पूरी चर्चा को दूसरी दिशा में मोड़ने की योजना बनाई जा रही है? विधानसभा सत्र के दौरान हर बार इसी तरह विवादों को जन्म देना क्या एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है? आम जनता के मन में भी यह सवाल उठना स्वाभाविक है।

क्या कुणाल कामरा को शिंदे वाला जोक सुनाने के लिए पैसे मिले थे?

मुंबई पुलिस ने पेड कंटेंट एंगल से शुरू की जांच

कॉमेडियन कुणाल कामरा को समन जारी कने के बाद मुंबई पुलिस ने अब पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या कुणाल कामरा के द्वारा की गई कॉमेडी पेड कंटेंट है। पुलिस ने यह कार्रवाई कामरा के मुंबई स्थित घर पर समन भेजने के बाद शुरू की है। कामरा ने इस पूरे विवाद के बाद सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया था। इसमें कामरा ने कहा था कि मैं माफी नहीं मांगूगा। कामरा ने कहा था वह पुलिस की जांच और कोर्ट की कार्रवाई में सहयोग करेंगे। पुलिस अब यह जांचना चाह रही है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर निशाना साधे गए चुटकुलों के पीछे की कोई साजिश थी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या कामरा को शिवसेना प्रमुख का मजाक उड़ाने के लिए पैसे या किसी अन्य तरह का मुआवजा मिला था। शिवसेना की प्रवक्ता शाइना एनसी से

कामरा के टिप्पणी के बाद इसी तरह की साजिश की आशंका जताने वाला बयान दिया था। कॉमेडियन के तमिलनाडु में होने की बात कही जा रही है, जबकि उनके माता-पिता मुंबई में रहते हैं। उन्हें व्हाट्सएप के जरिए भी समन भेजा गया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या कुणाल कामरा को एकनाथ शिंदे को निशाना बनाने के लिए किसी ने पैसे दिए थे।

'सड़क पर घूमना मुश्किल हो जाएगा', MNS नेता देशपांडे ने मंत्री शेलार को दी धमकी, राज ठाकरे के बयान पर मचा घमासान

मुंबईः महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (श्रए) के मुंबई के अध्यक्ष संदीप देशपांडे और बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष व मंत्री आशीष शेलार के बीच ठन गई है। देशपांडे ने शेलार को धमकी देते हुए कहा है कि उनके लिए मुंबई की सड़कों पर घूमना मुश्किल हो जाएगा। दरअसल इस पूरे विवाद की वजह मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे का वह बयान है, जो उन्होंने बीते रविवार को मनसे पदाधिकारियों की बैठक के दौरान दिया था।

मनसे प्रमुख राज ठाकर ने बीजेपी विधायक सुरेश धस के दाएं हाथ माने जाने वाले सतीश भोसले उर्फ खोक्या भाई की गिरफ्तारी पर तंज कसते हुए कहा था कि एक खोक्या भाई को क्या लेकर बैठे हो, पूरी विधानसभा ही खोक्या भाइयों से भरी है।

मंत्री शेलार को कहा 'झोलार'

राज ठाकरे की उक्त टिप्पणी पर मंत्री आशीष शेलार ने तीखा जवाब दिया था। उसी जवाब पर पलटवार करते हुए देशपांडे ने शेलार को अप्रत्यक्ष तौर पर धमकी दी है। देशपांडे ने चेतावनी देते हुए कहा कि 'झोलार' यदि हमने बोलना शुरू किया तो आपके लिए मुंबई में घूमना मुश्किल हो जाएगा। यह याद रखना।

'झोलार' नाम से संबोधित करते हुए देशपांडे ने कहा कि 'कल (23 मार्च को) बीजेपी के एक नेता झोलार ने राज ठाकरे के बारे में कुछ टिप्पणी की थी। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि आप अपनी सीट जीतने व बचाने के लिए शिव तीर्थ पर कितनी बार भीख मांगने आए हैं? 2009 से लेकर अब तक आपने कितनी बार राज ठाकरे से एमएनएस उम्मीदवार न उतारने की भीख मांगी है।'

शेलार ने किया था राज पर कटाक्ष

राज ठाकरे के रविवार के बयान पर तंज कसते हुए मंत्री आशीष शेलार ने कहा था कि अपने अस्तित्व का एहसास कराने व ध्यान आकर्षित करने के लिए की जाने वाली बयानबाजी को अब राज्य की जनता समझने लगी है।

महाराष्ट्र विधानसभा में जो लोग काम कर रहे हैं, वे सभी चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं। उन लोगों को जनता ने चुना है। जनता उन्हें नहीं चुनती है, जो चुने जाने योग्य नहीं होते हैं। शेलार ने राज पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह विधानसभा में गए बिना ही विधान (बयानबाजी) करते रहते हैं।

कौन हैं IPS रश्मि करंदीकर? जिनसे पति के खिलाफ दर्ज 32 करोड़ के धोखाधड़ी मामले में मुंबई पुलिस ने की पूछताछ

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने आईपीएस अधिकारी रश्मि करंदीकर से उनके पति पुरुषोत्तम चव्हाण के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों के संबंध में पूछताछ की। चव्हाण पर लोगों से कई लोगों से 32 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की ठगी का आरोप है। मुंबई पुलिस के अनुसार करंदीकर सोमवार शाम करीब सात बजे ईओडब्ल्यू मुख्यालय पहुंची और करीब 8.15 बजे वहां से चली गईं। ईओडब्ल्यू के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की कि महिला अधिकारियों की मौजूदगी में प्रक्रिया के अनुसार पूछताछ की गई और उनके वकील वैभव बागड़े भी मौजूद थे।

एक घंटे हुई पूछाताछ- इस मामले से जुड़ी जांच दल के अधिकारियों ने उनसे करीब एक घंटे तक पूछताछ की। विशेष रूप से उनके पति के खाते से उनके बैंक खाते में आए तीन करोड़ रुपये के बारे में पूछताछ की गई। करंदीकर ने जांच में पूरा सहयोग किया। इससे पहले ईओडब्ल्यू ने समन भेजकर 13 मार्च को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन करंदीकर पेश नहीं हुई थीं। उन्होंने दावा किया था कि उन्हें समन नहीं मिला, जिसके कारण उन्हें सोमवार को स्वेच्छा से पेश होना पड़ा।

कोलाबा थाने में दर्ज हैं दो मामले

रश्मि के पति पुरुषोत्तम चव्हाण के खिलाफ दो मामले शुरू में कोलाबा पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे, जो बाद में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को ट्रांसफर कर दिए गए थे। जांचकर्ताओं के अनुसार, चव्हाण पर नकली सरकारी दस्तावेज बनाने और सरकारी कोटा योजना की आड़ में फ्लैटों को गलत तरीके से आवंटित करने का आरोप है। पिछले महीने, ईओडब्ल्यू ने दंपति के कोलाबा आवास की तलाशी ली और कुछ दस्तावेज जब्त किए थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने ईओडब्ल्यू ने करंदीकर के पति चव्हाण के खिलाफ मार्च 2015 और अप्रैल 2024 के बीच हुए कथित अपराधों के लिए दो मामले दर्ज किए थे।

SHABBIR MEMON (DIRECTOR) 9892488825. TEL: 022 6780894

MEMON REALTORS

Builder & Devloper PVT. LTD.

Shop No. 1 to 5, Bldg,. No . 2 Next Ahuja Bulding R.M. Road, Oshiwara, Jogeshwari(W), Mumbai - 400 102. memonshabbir24@gmail.com

दैनिक
फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल
मुंबई, बुधवार २६ मार्च २०२५

संपादकीय

एम.एस.शेख
संपादक

बांग्लादेश के बदलते सुरों को गंभीरता से लेना होगा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर कहा कि हमारे रिश्ते बेहद मजबूत हैं। बस कुछ गलतफहमियां हैं, जिन्हें दूर करने की कोशिश की जा रही है। सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली वाली स्थिति में यूनुस किन रिश्तों के मजबूत होने की बात कर रहे हैं, कैसी गलतफहमियां और किनके द्वारा उत्पन्न गलतफहमियों की बात वे कर रहे हैं? यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने भारत से दूरियां बढ़ाने की कोई कसर नहीं छोड़ी, वहां हिन्दुओं एवं हिन्दू मन्दिरों पर कहर बरपाया गया, पाकिस्तान के साथ दोस्ती बढ़ाने की कवायद करते हुए भारत को डराने की कोशिशें हुई, कट्टरपंथी एवं जिहादी ताकतों को सहयोग, समर्थन और संरक्षण दिया गया है, इन सब स्थितियों को उग्र से उग्रतर बनाकर अब यूनुस किन रिश्तों की बात कर रहे हैं, वे क्यों बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करना चाहते हैं? बांग्लादेश का भारत-विरोधी रवैया दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण बना है। भारत से पंगा बांग्लादेश को कितना महंगा पड़ रहा है, इसका अनुमान बांग्लादेश की बिगड़ती अर्थ-व्यवस्था, शांति-व्यवस्था एवं अराजकता को देखते हुए सहज ही लगाया जा सकता है। इन ज्वलंत होती स्थितियों का सबसे बड़ा कारण भारत से दुश्मनी ही है। बांग्लादेश में अराजकता, हिंसा एवं जर्जर होते हालात को मोहम्मद यूनुस सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। मुल्क अभी भी भीड़ की हिंसा की उन घटनाओं से उबर नहीं रहा है, जो पिछले अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले आंदोलन के बाद शुरू हुई थी। यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है। यदि भारतीय प्रधानमंत्री बैंकाक में यूनुस से वार्तालाप करते हैं तो उन्हें उनके इरादों को लेकर सतर्क एवं सावधान रहना चाहिए। भारत प्रारंभ से बांग्लादेश का सहयोगी एवं हितैषी रहा है, इसी कारण उसने पिछले डेढ़ दशकों में जो आर्थिक तरक्की हासिल की, छह फीसदी से अधिक दर से जीडीपी को बढ़ाया और 2026 तक विकासशील देशों के समूह में शामिल होने का सपना देखा.

उन सब पर मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार के संकीर्णतावादी एवं दुराग्रही सोच के कारण काली छाया मंडराने लगी है। बांग्लादेश में भारत विरोधी वातावरण तैयार किया जा गया, वहां हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले की घटनाओं पर भारत की तमाम चिंताओं के बावजूद गंभीरता नहीं दिखाई गयी और अल्पसंख्यक हिन्दुओं के दमन को रोकने के लिए वांछित कदम उठाने से इनकार किया गया है। इन सब स्थितियों के कारण आज वहां कानून-व्यवस्था के सामने समस्या पैदा हो गई है, बांग्ला राष्ट्रवाद की वकालत करने वालों पर खतरा मंडराने लगा है, प्रगतिशील मुस्लिमों एवं अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं और बंगबंधु व मुक्ति संग्राम के इतिहास को मिटाने का प्रयास हो रहा है। बांग्लादेश की यह गति इसलिए हुई है, क्योंकि मोहम्मद यूनुस सरकार आम जन की अपेक्षाओं के अनुरूप चुनौतियों से लड़ पाने में नाकाम रहे हैं और भारत से टकराव मोल लेकर उन्होंने अपने पांवों पर खुद कुल्हाडी चलाई है। बांग्लादेश के हुक्मरानों और विशेषतः यूनुस सरकार ने विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश कर दोनों देशों के आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद किया हैं। आज वहां सांविधानिक, राजनीतिक वैधता का संकट तो गहराया ही है लेकिन लोकतांत्रिक मूल्य भी धुंधला रहे हैं।

पहेला रोज़ा मुकम्मल। रोज़ा मुबारक अरहम अब्दुल बासित शैख उम्र 4 साल।

मुंब्रा : अरहम अब्दुल बासित शैख ने महज़ 4 साल 4 महीने की उम्र में अपनी ज़िंदगी का पहेला रोज़ा अल्लाह की इबादत में रखा इन दिनों गरमी का माहौल है सूबह 5.13 बजे से साम 6.53 बजे तक पुरा दिन भुख प्यास को मिटाकर अल्लाह की रज़ा में इबादत के साथ साथ इस मासुम बच्चे ने अपना पहेला रोज़ा रखा साम के वक्त अरहम को फुलहार से सजाया गया इफ्तार के वक्त अरहम ने दुआएं की। और रोज़ा इफ्तार किया। इफ्तार के बाद अरहम के चहेरे पर एक मुस्कान छलक रही थी। परिवार में अरहम के दादा निजामुद्दीन शैख (जनरल सेक्रेटरी एन सी पी शरद पवार), दादी हमीदा बाई, नाना मर्हुम जाकीर क़ाज़ी कौतुल वाले, नानी सायरा बाई, पापा अब्दुल बासित शैख, मम्मी मसीरा अब्दुल बासित, बड़े पापा, फुफी, आदी परीवार वालों ने अरहम को पहेले रोज़े की मुबारक बादी दी।

साथ में फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल दैनिक न्यूज़ पेपर तरफ़ से भी अरहम को मुबारक बादी दी गई।

सबकुछ लुटाकर होश में आये तो क्या किया

दंगो में आरोपी फईम खान को बाम्बे हाईकोर्ट से मिली राहत

औरंगजेब कब्र विवाद में नागपुर जलाया गया। फिर सोमवार की सुबह कुछ ऐसा हुआ कि सब लोग हैरान रह गए। नागपुर नगर निगम के बुलडोजर दो इलाकों में पहुंचे और वहां बने दो घरों को पूरी तरह से तोड़ दिया। ये घर उन लोगों से जुड़े थे जिन पर 17 मार्च की रात को हुए दंगों में शामिल होने का शक है। इनमें से एक नागपुर हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम खान का नाम भी शामिल है।

पुलिस ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया था। 150 से ज्यादा पुलिस वाले और दंगा रोकने वाली टीमें वहां मौजूद थीं। ये कार्रवाई तब हुई जब बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने दंगों के आरोपियों के घरों को तोड़ने पर रोक लगा दी। कोर्ट ने ये फैसला तब सुनाया जब घरों को तोड़ने का काम शुरू हो चुका था।

बुल्डोजर एक्शन पर लगायी रोक

हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

सुबह जब घरों को तोड़ा जा रहा था, उसके कुछ घंटे बाद ही बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। कोर्ट ने सरकार के इस तरीके को तानाशाही बताया। कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार जबरदस्ती कर रही है।

अफसरों ने क्या कहा

कोर्ट का ये फैसला उन याचिकाओं के बाद आया जिनमें नागपुर नगर निगम (श्ण) की कार्रवाई को गलत बताया गया था। याचिकाओं में कहा गया था कि ये कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें कहा गया है कि किसी पर आरोप लगने पर उसके घर को नहीं तोड़ा जा सकता। एक सरकारी अफसर ने कहा कि बुलडोजर से और भी कई इमारतें तोड़ी जाएंगी।

आदेश के बावजूद क्यों चालया गया बुल्डोजर सिंधुदुर्ग में

चैंपियन ट्राफी के दौरान भारत पाक मैच में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने का था मामला

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को भारत-पाकिस्तान के बीच दुबई में मैच हुआ था। इस मैच में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा 20 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। रोहित शर्मा के आउट होने पर महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में एक किशोर द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद...लगाने का मामला सामने आया था। मामले के तूल पकड़ने और स्थानीय बीजेपी नेता नीलेश राणे द्वारा मामले को उठाने पर मालवण नगर पालिका ने स्क्रैप कारोबारी (कबाड़ दुकानदार) के दुकान और मकान को बुलडोजर से गिरा दिया गया था। महाराष्ट्र में बुलडोजर एक्शन के इस मामले में काफी सुर्खियां बटोरीं थी। अब इस मामले में नया ट्विस्ट आया है।

महीने भर में नया ट्विस्ट

बुलडोजर एक्शन का शिकार हुए कबाड़ व्यापारी किताबुल्ला हमीदुल्ला खान की याचिका पर अब सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को अवमानना की नोटिस जारी की है। शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी करते हुए कहा है कि ये पिछले साल दिए गए दिशा निर्देशों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट की अवमानना नोटिस पर अब सिंधुदुर्ग जिले में मालवन नगर परिषद के मुख्य अधिकारी और प्रशासक संतोष जिरागे को जवाब देना होगा। न्यायमूर्ति भूषण आर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह नोटिस जारी की है। याचिकाकर्ता ने खुद की दुकान और मकान पर हुए एक्शन को कोर्ट की अवमानना से जोड़ा है। याचिका में कहा है कि राज्य की मशीनरी किस तरह से दिशा निर्देशों का उल्लंघन कर रही है।

मकान-दुकान पर चला था बुलडोजर

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में कहा था कि दुकान और मकान पर बुलडोजर एक्शन उसकी पत्नी और उसके नाबालिग बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के एक दिन बाद की गई थी। इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान भारत विरोधी नारे लगाए थे। खान ने अपनी याचिका में कहा कि नगर निगम के अधिकारियों ने उनकी टिन शेड की दुकान और आवास को 'अवैध संरचना' बताकर ध्वस्त कर दिया था। मालवण थाना पुलिस ने तब कहा था कि पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे की जांच करके कोर्ट में चार्जशीट पेश की जाएगी।

मुंबई में बड़ा अग्निकांड, धारावी में गैस सिलेंडर ले जा रहे ट्रक में धमाका

मुंबई के धारावी इलाके में सोमवार रात भीषण आग लगने की घटना घटी है। सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। इसके बाद एक के बाद एक सिलेंडर फटते नजर आते हैं। आग की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। इस घटना के चौंकाने वाले वीडियो सामने आए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं। फिलहाल इस आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर

नहीं है। लेकिन इस कार में बड़ी वित्तीय हानि की संभावना है। यह घटना धारावी बस डिपो के पास घटी।

खड़े सिलेंडर ट्रक में अचानक आग लगी

धारावी के पीएमजीपी कॉलोनी इलाके में सड़क पर खड़े सिलेंडर ट्रक में अचानक आग लग गई। इसके बाद कार में लगे सिलेंडर एक के बाद एक फटने लगे। इस घटना से क्षेत्रवासियों में भय का माहौल पैदा हो गया है। यह घटना बस डिपो के पास घटी। जहां यह घटना घटी, वहां कई कारें अवैध रूप से पार्क की गई थीं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर अनुमान लगाया जा रहा है कि आग में कई दोपहिया वाहन जलकर राख हो गए। दिलचस्प बात यह है कि सांसद वर्षा गायकवाड़ ने बताया है कि संबंधित सड़क वीआईपी मार्ग है।

आग से धारावी में हड़कंप: इस आग से धारावी में हड़कंप मच गया है। धारावी के नागरिक सड़कों पर उतर आए हैं। पुलिस सुरक्षा स्थिति का ध्यान रख रही है। मौके पर 10 से 12 दमकल गाड़ियां पहुंच गई हैं। अग्निशमन कर्मी आग पर काबू पाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरती जा रही है कि आग आस-पास के इलाकों में न फैले।

घटनास्थल पर जाने से बचने की अपील: इस घटना के बाद स्थानीय विधायक ज्योति गायकवाड़ ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ज्योति गायकवाड़ ने नागरिकों से घटनास्थल पर जाने से बचने की अपील की है। अग्निशमन विभाग आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहा है। विधायक ज्योति गायकवाड़ ने भी कहा है कि धारावी निवासियों को घबराना नहीं चाहिए।

अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पायाइस बीच जानकारी मिल रही है कि दमकल विभाग द्वारा आग पर काबू पा लिया गया है। जलती हुई कार को ठंडा करने का काम अभी चल रहा है। इस आग से काफी हड़कंप मच गया। आखिर यह आग क्यों लगी? इसके अलावा, सिलेंडर कार वहां कैसे खड़ी थी? ऐसे कई सवाल उठे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण है कि पुलिस इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

पवई परिसर में एक चौंकाने वाली घटना; मगरमच्छ सड़क पर

मुंबईः मुंबई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पवई परिसर में एक चौंकाने वाली घटना हुई, जब एक मगरमच्छ सड़क पर घूमता हुआ दिखाई दिया। यह मगरमच्छ पास के पद्मावती मंदिर झील से भागकर आया था। मगरमच्छ के सड़क पर घूमने का एक खौफनाक वीडियो वायरल हुआ, जिसे देखकर लोग डर गए। यह घटना रविवार रात 7-8 बजे के बीच हुई, जिसके लिए वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई की। नगर निगम के अधिकारियों और वन अधिकारियों ने लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी। यह घटना कैमरे में कैद हो गई और कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, साथ ही तस्वीरें भी।

यह वीडियो ँ पर राज माजी नाम के यूजर ने अपलोड किया है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुंबई में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पवई परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब सड़क पर एक मगरमच्छ घूमता हुआ देखा गया। यह सरीसृप पद्मावती मंदिर, झील स्थल के पास झील से भाग गया था। मगरमच्छ को सड़क पर टहलते हुए एक खौफनाक वीडियो में कैद किया गया, जिससे स्थानीय लोगों में व्यापक भय व्याप्त हो गया। यह घटना रविवार शाम 7-8 बजे के बीच हुई, जिसके बाद नागरिकों ने तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया।'

दीपिका ने भारतीय फिल्मों और टैलेंट को ऑस्कर में पहचान न मिलने पर दुख जताया

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को लगता है कि भारत की कई ऐसी फिल्में थीं जो ऑस्कर अवॉर्ड जीत सकती थीं मगर उन्हें वे पहचान नहीं मिली। दीपिका इनदिनों लुई विटोन और कार्टियर के लिए वैश्विक लक्जरी फैशन हाउस द्वारा एंबेसडर के रूप में चुनी जाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री है। इसी वीडियो में दीपिका ऑस्कर पर बात करते हुए कहती हैं कि जब आरआरआर फिल्म के गाने नाटू-नाटू को अवॉर्ड मिला था वे मौके पर मौजूद थीं। पिछले कुछ समय में भारतीय फिल्मों ने ग्लोबल स्तर पर तारीफें बटोरी थीं। हालांकि, ऑस्कर 2025 की फाइनल सूची में इन फिल्मों को जगह नहीं मिल सकी थी। इस खबर ने कई भारतीयों का दिल तोड़ा था जिसमें दीपिका भी शामिल हैं। अपनी बात को जारी रखते हुए दीपिका ने भारतीय फिल्मों और टैलेंट को ऑस्कर में पहचान न मिलने पर दुख जताया।

दीपिका ने कहा, भारत को कई बार ऑस्कर से वंचित रखा गया है। कई ऐसी फिल्में और टैलेंट हैं जो अवॉर्ड के हकदार थे, मगर उन्हें नजरअंदाज किया गया। हालांकि दीपिका ने उस पल को याद किया जब एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर को ऑस्कर मिला था। वे कहती हैं, मैं ऑडियंस में बैठी थी। जब आरआरआर के नाम का ऐलान हुआ, उस पल में भावुक हो गई थी। यह मेरे लिए बेहद खास पल था। भले ही मैं उस फिल्म का हिस्सा नहीं थी, लेकिन एक भारतीय होने के नाते यह जीत मेरे लिए बहुत मायने रखती थी।बता दें कि दीपिका ने 2023 के ऑस्कर समारोह में आरआरआर के गाने नाटू नाटू को प्रेजेंट किया था। इस गाने ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का ऑस्कर जीता था।

धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी : हेडन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने 43 साल की उम्र में भी आईपीएल खेल रहे चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की जमकर प्रशंआ की है। हेडन ने कहा कि धोनी की विकेटकीपिंग अब भी काफी अच्छी है। साथ ही कहा कि मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ मैच में जिस तरह से उन्होंने नूर अहमद की गेंद पर सूर्यकुमार यादव की स्टंपिंग की थी उससे उनकी फिटनेस का अंदाजा होता है। इस गेंद पर सूर्यकुमार 29 रनों पर आउट हुए थे और 51 रनों की साझेदारी टूटी थी इसी के साथ सीएसके मैच में वापसी कर ली थी। हेडन ने कहा कि धोनी आज बेहतरीन थे। ऐसी गेंदों को पकड़ना थोड़ा कठिन होता है क्योंकि गेंद के एंगल में बल्लेबाज भी आ जाता है। लेकिन उन्होंने स्टंपिंग में फुर्ती की तेजी दिखाई। इससे पता चलता है कि वह अब भी बेहतरीन हैं। वहीं सीएसके कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि धोनी लगातार कीपिंग का अभ्यास करते हैं। एक पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस सत्र के पहले उन्होंने शायद नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। उन्होंने कहा कि अगर आपने किसी गेंदबाज के खिलाफ पहले कीपिंग का अभ्यास नहीं किया हो तो इस प्रकार की स्टंपिंग कठिन होती है। मुझे लगता है कि उन्होंने सत्र के पहले नूर के खिलाफ कीपिंग का अभ्यास किया होगा। वह नए गेंदबाजों के खिलाफ अक्सर ऐसा करते हैं।

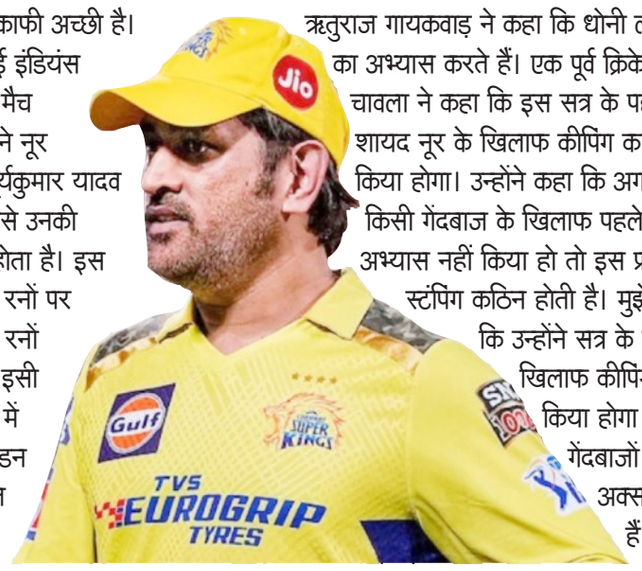

बौद्ध और जैन धरोहर पर दागः पांडवलेनी की दीवारें इंसानी मूर्खता की शिकार!

गंदगी, तोड़फोड़ और लापरवाही, पांडवलेनी की दुर्दशा पर कौन जिम्मेदार?

पांडवलेनी गुफाएं न केवल भारत की प्राचीन वास्तुकला और धर्म का प्रतीक हैं, बल्कि विदेशी पर्यटकों के आकर्षण का भी केंद्र हैं। हर साल हजारों पर्यटक यहां आते हैं, लेकिन जब वे टूटी-फूटी मूर्तियां, दीवारों पर लिखे प्रेम संदेश, और कचरे से भरा परिसर देखते हैं, तो यह हमारे देश की सांस्कृतिक संवेदनहीनता का प्रतिबिंब बन जाता है।

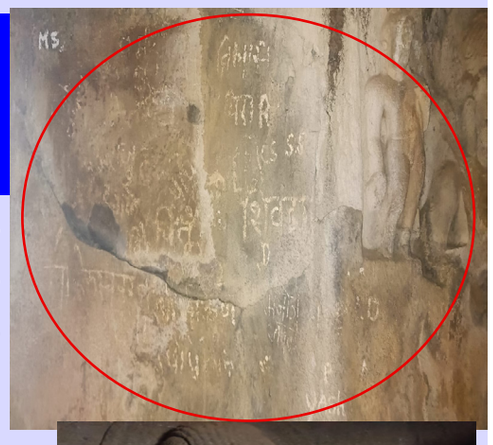

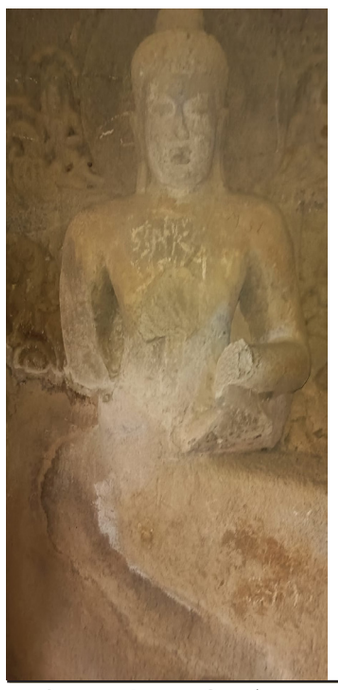

सुनिल इंगोले

भारत की समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरों में से एक, पांडवलेनी गुफाएं आज अपनी भव्यता से अधिक मानव निर्मित दुर्दशा के कारण चर्चा में हैं। कभी बौद्ध और जैन संस्कृति के उत्थान की गवाह रही ये गुफाएं अब कुछ असंवेदनशील पर्यटकों और असामाजिक तत्वों की लापरवाही का शिकार हो रही हैं। 250 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी के बीच निर्मित इन प्राचीन गुफाओं की दीवारें, नक्काशीदार स्तंभ और मूर्तियां आज अराजकता के निशान ढो रही हैं। कुछ लोगों ने अपनी मूर्खता का प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक शिल्प पर नाम लिख दिए हैं, तो कुछ ने मूर्तियों को खंडित कर दिया है। यही नहीं, गुफा परिसर में फैली गंदगी और कचरे के ढेर इस बात का प्रमाण हैं कि हमने अपनी ही सांस्कृतिक धरोहरों की कद्र करनी बंद कर दी है। आज पांडवलेनी गुफाएं गंदगी, तोड़फोड़ और लापरवाही की शिकार हो रही हैं, लेकिन यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह धरोहर धीरे-धीरे पूरी तरह नष्ट हो सकती है। जरूरत है कि सख्त नियम लागू किए जाएं, दोषियों को दंडित किया जाए, और स्थानीय प्रशासन पर्यटन स्थलों पर निगरानी बढ़ाए। यदि हम आज नहीं जागे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां हमें इस अपराध के लिए माफ नहीं करेंगी। सवाल यह है - क्या हम अपनी ही विरासत को यूं ही बर्बाद होने देंगे?

महात्माओं का अपमान और हमारी असंवेदनशीलता

ये गुफाएं न केवल भगवान बुद्ध और जैन तीर्थंकरों को समर्पित हैं, बल्कि इनके निर्माण का उद्देश्य आत्मज्ञान और आध्यात्मिक साधना को संरक्षित करना था। लेकिन जब लोग इन गुफाओं की दीवारों पर नाम उकेरते हैं, मूर्तियों को नुकसान पहुंचाते हैं, और परिसर में गंदगी फैलाते हैं, तो वे न केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहर का अपमान कर रहे होते हैं, बल्कि इन महापुरुषों की शिक्षाओं की भी अवमानना कर रहे हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की जिम्मेदारी पर सवाल

पांडवलेनी गुफाओं का संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अधीन है, लेकिन हालात देखकर यह साफ है कि संरक्षण के प्रयास या तो पर्याप्त नहीं हैं या फिर उन पर अमल नहीं किया जा रहा है। पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा और कड़े नियमों की जरूरत है, ताकि कोई भी व्यक्ति ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान न पहुंचा सके।

टोरेस ज्वैलरी पोंजी घोटालाः कंपनी की फर्जी योजनाओं में निवेश कर 43 कर्मचारियों ने गंवाए ₹3.23 करोड़

मुंबई पुलिस ने दावा किया है कि हजारों ग्राहकों के अलावा, टोरेस ज्वैलरी के विभिन्न शोरूमों में काम करने वाले 43 कर्मचारियों को सामूहिक रूप से लगभग 3.23 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। टोरेस धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया उत्पादों के विपणन के लिए आयोजित सेमिनारों में ग्राहकों को बताया गया कि कंपनी देश भर में 50 शोरूम खोलने जा रही है और साथ ही महंगे गैजेट और कारें उपहार में देने की पेशकश कर रही है। पुलिस ने पिछले सप्ताह टोरेस धोखाधड़ी मामले में आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें दावा किया गया था कि अब तक की जांच से पता चला है कि कई निवेशकों को आकर्षक पुरस्कार और उपहारों का लालच दिया गया था।

चार्जशीट के अनुसार, जुलाई से अक्टूबर 2024 के बीच दादर की एक दुकान ने टोरेस के दादर शोरूम को 209 आईफोन, 52 आईपैड, तीन मैकबुक, नौ वनप्लस फोन और एक एडॉप्टर की आपूर्ति की, जिनकी कुल कीमत 2.19 करोड़ रुपये है। दूसरे दुकानदार ने बताया कि अक्टूबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच उसने दादर शोरूम को 2.93 करोड़ रुपये के गैजेट सप्लाई किए। ये गैजेट ग्राहकों को पुरस्कार राशि के रूप में दिए गए।

इसके अलावा, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कंपनी को स्थिर बताया और कहा कि देश भर में कम से कम 50 शोरूम खोलने की योजना है। इस तरह के आश्वासनों के साथ, कर्मचारी भी धोखाधड़ी का शिकार हो गए, जिन्होंने अपनी मेहनत की कमाई को विभिन्न योजनाओं में निवेश कर दिया

बॉम्बे हाईकोर्ट के गेट के बाहर काला जादू करने वाली सामग्री मिली, अंधविश्वास विरोधी कार्यकर्ताओं ने घटना की निंदा की

गुप्त प्रथाओं और अंधविश्वासों के खिलाफ अभियान चलाने वाले समूहों ने सोमवार को उस घटना की निंदा की है, जिसमें बम्बई उच्च न्यायालय के गेट के बाहर काले जादू के लिए कथित रूप से इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का ढेर पाया गया था, जैसे एक काली वूडू गुड़िया, एक नारियल, नींबू और रंग। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के माधव बावगे, जिन्होंने महाराष्ट्र मानव बलि, अन्य अमानवीय और अघोरी प्रथाओं और काला जादू रोकथाम और उन्मूलन अधिनियम, 2013 को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, ने कहा कि यह घटना देश की वित्तीय राजधानी शहर पर एक धब्बा है।

मीरा भयंदर भूमि घोटालाः शत्रु संपत्ति के रिकॉर्ड में बदलाव के लिए पाकिस्तानी बॉन्ड का इस्तेमाल किया गयाः शिवसेना (यूबीटी) एमएलसी अंबादास दानवे

जुड़वां शहर में शत्रु संपत्तियों का विवादास्पद मुद्दा फिर से सुर्खियों में आ गया है, जब शिवसेना (यूबीटी) विधायक अंबादास दानवे ने विधान परिषद के चल रहे सत्र में गंभीर आरोप लगाए और एक पाकिस्तानी बांड दिखाया, जिसके आधार पर मीरा रोड स्थित भूमि के 7/12 अर्क (अधिकारों के रिकॉर्ड) में शीर्षकों को शामिल किया गया था, जिसे शत्रु संपत्ति के रूप में टैग किया गया था।

घोटाले में शामिल लोगों के खिलाफ विस्तृत जांच और कार्रवाई की मांग करते हुए, दानवे ने आरोप लगाया कि राजू शाह नामक एक स्थानीय डेवलपर, जिसने इस मामले को उजागर किया था, को पाकिस्तान के कराची से एक मोबाइल नंबर से उसके व्हाट्सएप नंबर पर धमकी भरे कॉल और वॉयस मैसेज मिल रहे थे। शाह, जो काशी और घोड़बंदर सहित राजस्व गांवों में स्थित भूमि पार्सल हड़पने के लिए चार डेवलपर्स के खिलाफ शिकायत दर्ज करा रहे थे, ने धमकी भरे कॉल मिलने के बाद डीसीपी (जोन ६) प्रकाश गायकवाड़ के पास शिकायत दर्ज कराई है। गौरतलब है कि मीरा भयंदर नगर निगम (एमबीएमसी) ने 2022 में राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग (यूडीडी) से अपने अधिकार क्षेत्र में शत्रु संपत्तियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश मांगे थे। घोड़बंदर, महाजनवाड़ी और काशी जैसे राजस्व गांवों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 30 से अधिक सर्वेक्षण संख्याओं वाली भूमि के बड़े हिस्से शत्रु संपत्ति होने की जांच के दायरे में हैं। दिसंबर, 2021 में, केंद्र सरकार के अधिकारियों ने ठाणे जिले के कलेक्टर को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि ऐसी जोतों के लिए कोई बिक्री या हस्तांतरण विलेख पंजीकृत न हो।

मुंबई में कहां पर है एलफिंस्टन ब्रिज, जिसका कॉमेडियन कुणाल कामरा ने किया जिक्र, जानें कब से हो रहा बंद

मुंबई के सायन ब्रिज के बाद अब लोअर परेल में स्थित एलफिंस्टन ब्रिज 10 अप्रैल से बंद हो जाएगा। ब्रिटिशकालीन इस ब्रिज का निर्माण 125 साल पहले हुए था। लंबे समय से इस ब्रिज को तोड़ने और यहां नया ब्रिज बनाने की कवायद चल रही है, लेकिन अब यह कवायद आगे बढ़ती दिख रही है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ऊपर टिप्पणी के बाद शिवसैनिकों के गुस्से का सामना कर रहे कॉमेडियन कुणाल कामरा ने अपने बयान में इसी ब्रिज का उल्लेख किया है। कामरा ने शिवसेना के कार्यकर्ताओं द्वारा मुंबई के 'द यूनीकॉन्टिनेंटल' में तोड़फोड़ पर कहा है कि अगली बार मैं एलफिंस्टन ब्रिज जैसी किसी जगह पर शो शूट करूंगा ताकि वह भी गिरा दिया जाए।

सुर्खियों में आया ब्रिज

कुणाल कामरा के द्वारा अपने स्टेटेमेंट इस ब्रिज का उल्लेख करने से यह फिर एक बार सुर्खियों में आ गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से मिले ताजा अपडेट में सामने आया है। इस ब्रिज को गिराने के लिए सभी जरूरी एनओसी ले ली गई हैं। अब 10 अप्रैल को इस ब्रिज पर यातायात बंद कर दिया जाएगा और फिर से तोड़ दिया जाएगा। ब्रिटिश काल का रोड ओवरब्रिज (आरओबी) मध्य मुंबई में स्थित है। यह पूर्व-पश्चिम के बीच का अहम कनेक्टर है। यह सेवरी-वर्ली एलिवेटेड कनेक्टर परियोजना के हिस्से के रूप में एक डबल-डेकर पुल से बदल दिया जाएगा। एमएमआरडीए की कोशिश है कि मानसून से पहले इस ढांचे को गिराना दिया जाए और

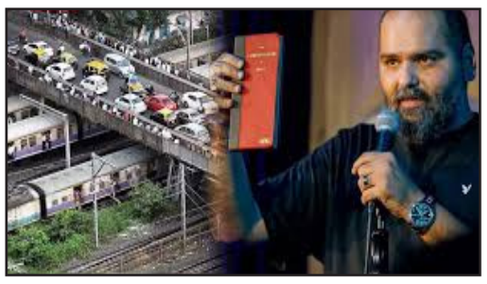

फिर अप्रैल 2026 तक प्रस्तावित डबल-डेकर पुल के कम से कम एक स्तर को पूरा कर लिया जाए।

अब पुलिस मंजूरी बाकी

एचटी की एक रिपोर्ट के अनुसार एमएमआरडीए ने तमाम तैयारियां पूरी कर ली है। प्राधिकरण को सिर्फ मुंबई ट्रैफिक पुलिस से मंजूरी मिलने बाकी है। यह प्रक्रिया भी अंतिम दौर में है। इसके 10 अप्रैल से पहले मिलने की उम्मीद है। यह प्रभादेवी और परेल के व्यस्त मध्य मुंबई क्षेत्रों को जोड़ता है और पश्चिमी रेलवे (डब्ल्यूआर) और मध्य रेलवे (सीआर) लाइनों से होकर गुजरता है। टाटा मेमोरियल अस्पताल और केईएम अस्पताल जैसे क्षेत्र के प्रमुख अस्पतालों को देखते हुए परेल में पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है।

जनता प्यासी, अधिकारी मस्त-बडनेरा में पानी को लेकर हाहाकार

गर्मी से पहले ही बडनेरा प्यासा, अप्रैल-मई में क्या होगा हाल?

नेता गूंगे, अधिकारी बहरे, बिल के लिए सख्ती, पानी के लिए लाचारी-कब बदलेगा सिस्टम? बिल समय पर, पर जल आपूर्ति अनिश्चित!

सुनिल इंगोले

अमरावती। गर्मियों की तपिश बढ़ने से पहले ही बडनेरा के नागरिकों के गले सूखने लगे हैं, और इसकी वजह कोई और नहीं बल्कि जीवन प्राधिकरण है। पहले जो पानी हर दो दिन में मिलता था, अब वह भी तीन-तीन दिन की देरी से और बिना किसी निश्चित समय के आ रहा है। इस असमय जलापूर्ति ने गृहिणियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनके लिए घर के बाहर निकलना तक दूभर हो गया है, क्योंकि पानी भरने की अनिश्चितता के चलते वे किसी भी समय घर छोड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। अब शादियों का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन महिलाओं के मन में सवाल उठ रहा है कि वे अपने परिवार के साथ समारोह में शामिल हो भी पाएंगी या नहीं! इस गंभीर मुद्दे पर जनप्रतिनिधि पूरी तरह से मौन साधे हुए हैं। कुछ गिने-चुने पूर्व नगरसेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने नागरिकों की ओर से जीवन प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था और जल्द समाधान की मांग की थी। वहीं, कुछ कार्यकर्ताओं ने आंदोलन की चेतावनी भी दी थी, लेकिन अधिकारियों ने इस ज्ञापन को कूड़ेदान में डाल दिया। यही नहीं, बडनेरा के वर्तमान विधायक रवि राणा ने सरकारी रेस्ट हाउस में जीवन प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक बुलाई थी, लेकिन किसी कारणवश वे खुद उसमें शामिल नहीं हो सके और उनकी जगह सुनील राणा बैठक में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से जवाबतलबी की, लेकिन हमेशा की तरह अधिकारियों ने हां में हां मिलाकर बात को टाल दिया। बैठक का नतीजा? शून्य!

अब सवाल उठता है कि जब मार्च में ही पानी की यह स्थिति है, तो अप्रैल और मई में क्या हाल होगा? गर्मियों में पानी की जरूरत और भी बढ़ जाती है, लोग ठंडक के लिए कूलर का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन जब नल में पानी ही नहीं आएगा, तो लोग क्या करें? कहीं ऐसा न हो कि लोगों को पानी के घूंट के लिए कैन पर निर्भर रहना पड़े। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पानी की आपूर्ति इतनी अनियमित हो चुकी है, तब भी जलकर (पानी का बिल) समय पर और बिना देरी के घर-घर पहुंच रहा है। यहां तक कि जीवन प्राधिकरण के कर्मचारी बिल वसूलने के लिए घर-घर दस्तक दे रहे हैं। और अगर बिल न भरा जाए, तो तुरंत कनेक्शन काटने की धमकी भी दी जाती है। अगर यही तत्परता पानी की आपूर्ति में भी दिखाई जाए, तो नागरिकों की तकलीफें आधी हो जाएं।

जिस तरह समय पर बिल आता है, उसी तरह समय पर नल में पानी आना भी जनता का अधिकार है। आखिर जीवन प्राधिकरण इस पर कब ध्यान देगा? या फिर जनता को इसी तरह सूखे गले और गुस्से के साथ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का इंतजार करना पड़ेगा? अगर इस समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो आने वाले समय में नागरिकों का आक्रोश अधिकारियों और नेताओं के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकता है।

समस्या वही, समाधान नहीं
- सुनील राणा की बैठक बेनतीजा!

विधानसभा में सुप्रिया सुले पर देवेंद्र फडणवीस का आरोप

जयकुमार गोरे मामले में आरोपी से सीधे संपर्क में थी सुप्रिया सुले

विधानसभा में फडणवीस के आरोप के बाद सुप्रिया सुले ने मीडियासे कहा मैं जनता की प्रतिनिथी हूं त्तो मेरा हर पत्रकारों से संपर्क है और शहर मुद्दों के बारे में मुझसे उनसे अक्सर चर्चा होती रहती हौ तो लय भारी संपादक भी मुझसे समाचारों के बारे में मैसेज करते थे और बात करते थे, चुनाव के दौरान उन्होंने मेरा इंटरव्यूव भी किया था तो जाहिर बात है कि मैं उनसे बात करती थी, अब यह आर्श्य की बात है कि फडणवीस मेरा नाम लेकर विधानभवन में चर्चा कर रहे हैं।

मुन्ना मुजावर

एक महिला ने राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे पर उससे जबरन पैसे ऐंठने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इस मामले में जाल बिछाकर महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि पुलिस द्वारा मामले की गहन जांच चल रही है, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। फडणवीस ने कहा है कि आरोपी महिला और उसके सहयोगी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले के सीधे संपर्क में हैं। इस पर अब राजनीतिक दावे-प्रतिदावे शुरू हो गए हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

देवेन्द्र फडणवीस ने जयकुमार गोरे के खिलाफ लगाए गए आरोपों और संबंधित महिला की बाद में हुई गिरफ्तारी के संबंध में विधानसभा में एक बयान प्रस्तुत किया। फडणवीस ने कहा, 'अगर किसी को जीवन से उखाड़ने के इरादे से राजनीति की जा रही है, तो यह सही नहीं है। गोरे के संबंध में मामला 2016 में दर्ज किया गया था और 2019 में समाप्त हुआ। वह उस समय सत्तारूढ़ दल में भी नहीं थे। लेकिन फिर अचानक यह उखाड़ना हुआ।' देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'मैं उनके साहस की प्रशंसा करता हूं। ऐसी स्थिति में व्यक्ति समझौता करने की कोशिश करता है। लेकिन रिश्वत मांगे जाने के बाद उन्होंने शिकायत की। फिर उन्होंने जाल बिछाया। पूरी बातचीत रिकॉर्ड की गई। बातचीत के कई क्लिप हैं। पुलिस विभाग को आश्वस्त होने के बाद उन्होंने जाल बिछाया। आरोपी को वास्तव में नकदी लेते हुए पकड़ा गया। इसलिए, यह एक तरह का ब्लैकमेल था।'

जयकुमार गोरे मामले में सांठगांठ!

इस बीच, देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि इस मामले में एक सांठगांठ काम कर रही थी। 'यह एक तरह की सांठगांठ थी। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। एक महिला खुद है। दूसरा पत्रकार तुषार खरात और तीसरा अनिल सुभेदार नाम का व्यक्ति है। इन सभी ने मिलकर यह साज़िश रची थी। इसके सारे सबूत मिल गए हैं। इनके वॉट्सऐप चैट मिले हैं। इनके 150 फ़ोन मिले हैं। इन लोगों ने किस तरह से साज़िश रची, यह सामने आ गया है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट के लोग इन सभी के सीधे संपर्क में हैं,' देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया।

'प्रभाकर देशमुख ने इन तीनों आरोपियों से 100 बार सीधे बात की है। उन्हें वीडियो भेजे गए हैं। उन्होंने जवाब भी दिया है। लेकिन मुझे इससे भी बुरा यह लगता है कि सुप्रिया सुले और रोहित पवार ने तुषार खरात को फोन किया है। जयकुमार गोरे के वीडियो आरोपियों ने इन दोनों को भेजे हैं। अब इसकी जांच की जाएगी। लेकिन क्या ऐसा हो रहा है? हम राजनीतिक दुश्मन नहीं हैं, हम राजनीतिक विरोधी हैं। अगर इस तरह से किसी की जान लेने की साजिश रची जा रही है, तो यह गलत है,' देवेंद्र फडणवीस ने इस समय कहा।

पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर निजी यात्री बस में भीषण आग लगी; 30 यात्री...

मुन्ना मुजावर

पिंपरी-चिंचवाड़ः पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर 30 यात्री बाल-बाल बच गए। कोल्हापुर से मुंबई की ओर जा रही एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसमें आग लग गई। यह घटना सुबह करीब पांच बजे घटी। सौभाग्य से बस में सवार 30 यात्री सुरक्षित हैं। इस मामले में शिरगांव पुलिस ने निजी यात्री बस चालक वर्षिकेत प्रहलाद बिराजदार को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे 78 किलोमीटर पर एक निजी यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कोल्हापुर से मुंबई की ओर जा रही बस का चालक एक वाहन को ओवरटेक करते समय बस पर से नियंत्रण खो बैठा और बस राजमार्ग पर रेलिंग से टकरा गई। बस में सवार 30 यात्रियों को कोई चोट नहीं आई। उनके उतरते ही बस में आग लग गई।

सौभाग्यवश, तीस यात्री बाल-बाल बच गए। वडगांव अग्निशमन विभाग, तलेगांव दाभाड़े अग्निशमन विभाग, एमएसआरडीसी आदि घटनास्थल पर पहुंच गए थे। आग पर काबू पा लिया गया है। बस आग में नष्ट हो गई है। शिरगांव पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में एक निजी बस चालक को हिरासत में लिया है।

पब में डांस कर रही युवतियों को झटका; महिला बाउंसर के साथ दुर्व्यवहार

पुणेः येरवडा पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्होंने पब में नाच रही एक युवती को कथित तौर पर धक्का दिया था। यह घटना येरवडा क्षेत्र के एक मॉल में स्थित पब में घटी, जहां एक महिला बाउंसर द्वारा युवतियों को धक्का देने के बाद सवाल पूछने पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। इस मामले में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दोनों शिरूर तालुका से हैं। महिला बाउंसर ने इस संबंध में येरवडा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना शनिवार रात येरवडा के एक मॉल में स्थित पब में घटी। पुलिस के अनुसार युवती शनिवार रात येरवडा स्थित एक पब में डांस कर रही थी। आरोपी पब में डांस फ्लोर पर नाच रहे थे। इसी दौरान दोनों ने युवती को धक्का दे दिया। यह देख पब में मौजूद महिला बाउंसर ने दोनों को किनारे पर डांस करने को कहा। इसके बाद आरोपियों ने महिला बाउंसर के साथ दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई नोटिस जारी किया है और सहायक पुलिस निरीक्षक विशाल टाकले जांच कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रवींद्र कुमार शेलके और अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक पल्लवी मेहर ने घटनास्थल का दौरा किया है और पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की है।

25 हजार ग्राहकों की बिजली आपूर्ति बाधित, महावितरण ने चलाया अभियान; पुणे डिवीजन पर 88 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज है।

मुन्ना मुजावर

पुणेः महावितरण ने बकाया वसूली के लिए बिजली आपूर्ति काटने का अभियान शुरू किया है और पिछले 24 दिनों में पुणे सर्कल में 25,434 बकायादारों की बिजली काट दी गई है। घरेलू, व्यावसायिक और औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं पर 10 लाख रुपये से अधिक बकाया है। 88 करोड़ 45 लाख रु.महावितरण की वित्तीय मजबूती ग्राहकों से बिजली बिलों के मासिक संग्रह पर निर्भर करती है। बिजली बिलों के संग्रह से हर महीने बिजली खरीद सहित विभिन्न ऋणों का भुगतान करना पड़ता है। इसलिए बकाया राशि वसूलने के लिए बिजली आपूर्ति काटने का अभियान तेज कर दिया गया है, तथा महावितरण ने बकाया बिजली बिलों का तुरंत भुगतान करने की अपील की है।

घरेलू, व्यावसायिक एवं औद्योगिक विद्युत उपभोक्ताओं पर 40 करोड़ 9 लाख रुपए का बकाया है। पिछले 24 दिनों में 10,177 बकाएदारों की बिजली काट दी गई। पिंपरी-चिंचवड़ शहर में घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं पर 18.4 करोड़ रुपए का बकाया है। इनमें से 7,796 बकाएदारों की बिजली काट दी गई। इसके अलावा, अंबेगांव, जुन्नार, मावल, खेड़, मुलशी, राजगढ़, हवेली तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक बिजली उपभोक्ताओं पर 29 करोड़ 96 लाख रुपये का बकाया है। महावितरण ने बताया कि पिछले 24 दिनों में इनमें से 7,461 की बिजली आपूर्ति काट दी गई है।

मुख्य अभियंता राजेंद्र पवार सर्कल में विभिन्न स्थानों का दौरा कर शाखा कार्यालयों तक बकाया वसूली की समीक्षा कर रहे हैं। महावितरण ने यह भी बताया कि अधीक्षण अभियंता युवराज जर्ग, सिंहजीराव गायकवाड़, रवींद्र बुंदेले सहित सभी कार्यकारी अभियंता और कर्मचारी वर्तमान में बकाया बिजली आपूर्ति काटने और काटे गए बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण करने के लिए 'फील्ड पर' हैं।

कम वोल्टेज बिजली उपभोक्ता वेबसाइट http://www.mahadiscom.in और मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे ऑनलाइन अपने बिल का भुगतान कर सकते हैं। महावितरण ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपना बकाया तुरंत चुकाएं और बिजली आपूर्ति काटने की कार्रवाई से बचें।

पुणे पुलिस द्वारा जब्त 8 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं आज नष्ट कर दी गईं, रंजनगांव औद्योगिक एस्टेट में नष्ट करने की प्रक्रिया जारी

मुन्ना मुजावर

पुणेः पुणे पुलिस ने पिछले साल शहर के विभिन्न हिस्सों से 7.76 करोड़ रुपये मूल्य का 788 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया था। पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा जब्त की गई दवाओं को रंजनगांव स्थित एक निजी कंपनी की भट्टी में नष्ट किया जाएगा।

अपराध शाखा के मादक द्रव्य निरोधक दस्ते के साथ-साथ विभिन्न पुलिस थानों की जांच टीमों ने कार्रवाई करते हुए तस्करों से मेफेड्रोन, ब्राउन शुगर, अफीम, एलएसडी और मारिजुआना सहित 788 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया। पुलिस कार्रवाई में 758 किलोग्राम मारिजुआना जब्त किया गया। अदालत के आदेश के अनुसार, नशीले पदार्थों को रंजनगांव औद्योगिक एस्टेट में एक निजी कंपनी के भट्टे में नष्ट किया जाएगा। विदेशों से बड़ी मात्रा में मारिजुआना पुणे शहर में बिक्री के लिए भेजा जाता है। मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से गांजे की तस्करी की जाती है। कॉलेज के कई युवाओं के गांजे के आदी होने का खुलासा होने के बाद पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने चोरी-छिपे गांजा बेचने वाले विक्रेताओं और तस्करों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है।

यह पता चला है कि कई युवा लोग मारिजुआना की तरह मेफेड्रोन के भी आदी हैं। मारिजुआना मेफेड्रोन से सस्ता है। आवासीय क्षेत्रों में नाबालिग बच्चे मारिजुआना के आदी हो गए हैं। इस संदर्भ में पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने ड्रग तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। मेफेड्रोन की तस्करी मुंबई से की जाती है। पुणे पुलिस ने कुरकुंभ औद्योगिक एस्टेट स्थित अर्थकेम लैबोरेटरीज पर छापा मारकर 3,674 करोड़ रुपये मूल्य की मेफेड्रोन जब्त की। पुणे पुलिस ने हाल ही में एनसीबी को एक पत्र सौंपकर कहा कि चूंकि यह कार्रवाई पुलिस द्वारा की गई थी, इसलिए मेफेड्रोन को नष्ट करने की प्रक्रिया पुणे में ही की जानी चाहिए। मेफेड्रोन को नष्ट करने की प्रक्रिया अप्रैल में की जाएगी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कुरकुंभ मेफेड्रोन तस्करी मामले की जांच कर रही है। इस मामले में दिल्ली से गिरफ्तार आरोपी संदीप यादव ने 400 करोड़ रुपये कीमत की 218 किलोग्राम मेफेड्रोन को कूरियर के जरिए लंदन भेजा था। अदालत ने यादव की जमानत याचिका खारिज कर दी हैइस मामले में गैंगस्टर वैभव उर्फ पिंट्या माने, हैदर शेख, अजय करोसिया, भीमाजी साबले, युवराज भुजबल, अयूब मकानदार, संदीप कुमार बसोया, दिवेश भूटानी, संदीप यादव, देवेंद्र यादव, सुनीलचंद्र बुमरान, मोहम्मद कुरैशी, शोएब शेख, सिंथिया उगबाब, अंकिता दास, निशांत मोदी के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। जब यह पता चला कि संदीप धुनिया मेफेड्रोन तस्करी मामले का मास्टरमाइंड था, तो वह विदेश भाग गया। यह पता चला है कि धुनिया वियतनाम में रह रही है।

प्रदेश अध्यक्ष के आदेश को खारिज करने पर कांग्रेस में पुणे में फिर गुट बाजी

मुन्ना मुजावर

पुणेः कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के इस आदेश को अभी तीन दिन भी नहीं हुए हैं कि, 'पार्टी में गुटबाजी को किनारे रखें और नगर निगम चुनाव लड़ने के लिए तैयार रहें।' प्रदेश अध्यक्ष के आदेश की अवहेलना करते हुए पुणे शहर कांग्रेस में शहर अध्यक्ष पद को लेकर गुटबाजी और पार्टी के भीतर संघर्ष शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में कांग्रेस के भीतर टकराव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, क्योंकि कांग्रेस के भीतर एक गुट ने कार्यवाहक शहर अध्यक्ष, जो तीन साल से पद पर हैं, को पूर्णकालिक पद पर नियुक्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद सपकाल पुणे स्थित कांग्रेस भवन आए और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को एकजुटता के साथ काम करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि लोगों को गुटबाजी को किनारे रखना चाहिए और पुणे के मुद्दों के लिए सड़कों पर उतरना चाहिए। हालांकि, सपकाल की अपील पर अमल होने के बजाय अब शहर अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी में गुटबाजी शुरू हो गई है। प्रभारी शहर अध्यक्ष अरविंद शिंदे के नेतृत्व में एक गुट सक्रिय है, जबकि पूर्व विधायक रमेश बागवे और पूर्व विधायक मोहन जोशी सक्रिय हैं। चूंकि यह

समूह शिंदे को पूर्णकालिक शहर अध्यक्ष का पद देने का विरोध कर रहा था, इसलिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने बीच का रास्ता अपनाते हुए शिंदे को कार्यवाहक शहर अध्यक्ष का पद अपने पास रख लिया था। हालाँकि, अब जबकि क्षेत्रीय स्तर पर मन परिवर्तन हो चुका है, सपकाल ने स्पष्ट किया है कि पुणे शहर की कार्यकारी समिति में भी बदलाव होंगे। इसके बाद शहर कांग्रेस के दोनों गुटों ने इस पद को पाने के लिए प्रदेश स्तर पर संपर्क साधना शुरू कर दिया है। इसलिए गुटबाजी पर अंकुश लगने के बजाय तस्वीर यह उभर कर आई है कि शहर अध्यक्ष पद से गुटबाजी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। शिंदे को 10 जून 2022 को शहर अध्यक्ष पद का कार्यभार सौंपा गया। उनके कार्यकाल में लोकसभा और विधानसभा चुनाव हुए। कांग्रेस के लिए एकमात्र सफलता कस्बा विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में पूर्व विधायक रवींद्र धांगेकर की जीत रही। धंगेकर ने लोकसभा चुनाव भी अच्छा लड़ा था। हालाँकि, बाद में पता चला कि यह कांग्रेस का नहीं बल्कि धांगेकर का व्यक्तिगत करिश्मा था। धंगेकर ने अब कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। यहां तक कि विधानसभा चुनाव में शिवाजीनगर, कस्बा और पार्वती विधानसभा क्षेत्रों में भी बगावत को रोका नहीं जा सका। इन मुद्दों को उठाते हुए विपक्षी गुट ने अब नगर अध्यक्ष बदलने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। विपक्षी समूह शिंदे के कार्यकाल के दौरान पार्टी की विफलता को नेताओं के ध्यान में ला रहा है।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)